विद्या -भवन ,बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग -तृतीय,विषय -हिंदी ,दिनांक-24-05-2021

एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित पाठ–3 कोयल

सुप्रभात बच्चों,

देखो कोयल काली है, पर मीठी है इसकी बोली,

इसने ही तो कुक – कुक कर आंखों में मिश्री घोली

कोयल !-कोयल! सच बतलाओ,

क्या संदेशा लाई हो?

बहुत दिनों के बाद आज फिर,

इस डाली पढ़ाई हो।

क्या गाती हो, किसे बुलाती,

बतला दो कोयल रानी!

प्यासी धरती देख मांगती

हो क्या मेघों से पानी?

कोयल! यह मिठास क्या तुमने

अपनी मां से पाई है?

मां ने ही क्या तुमको मीठी

बोली यह सिखलाई है?

डाल- डाल पर उड़ना, गाना

जिसने तुम्हें सिखाया है,

सबसे मीठे -मीठे बोली,

यह भी तुम्हें बताया है।

बहुत भोली हो, तुमने मां की बात सदा ही है मानी,

इसलिए तो कहलाती हो तुम सब चिड़ियों की रानी।

-- श्रीमती सुभद्रा कुमारी चौहान

गृहकार्य-

दिए ,गए कविता याद करें।